पाठ्य-विचारण एवं नमूनाक प्रश्न

नोट :
प्रश्न-पत्र—II में बहुविकल्पी (Multiple choice) प्रश्न पूछल जाएँगे। प्रत्येक प्रश्नक उत्तर अनिवार्य अधि। पूरणक 100 रहत। प्रश्न-पत्र—III (A) दस वर्ग (Unit) में विभक्त रहत। प्रत्येक प्रश्न सोइड-सोइड अंकक रहत। प्रत्येक प्रश्नक उत्तर अनिवार्य अधि एवं ओकर उत्तर तीन सय (300) शब्दॆ होवयक चाही। प्रत्येक वर्ग (Unit) के विकल्प प्रश्न रहत। प्रश्न-पत्र—III (B) पाँच वर्ग (Unit) में विभाेजित रहत, मुदा एकहि वर्गसं उत्तर देब अपेक्षित अधि। प्रत्येक प्रश्नक हेतु चालिस (40) अंक अधि। प्रश्नक विकल्प रहत। प्रश्नोत्तर आठ सय (800) शब्दे होवयक चाही।

प्रश्न-पत्र—II

1. मैथिली साहित्यक प्रत्येक विधाता सब्द दक्ष प्रथम कृतिक परिचय अपेक्षित अधि।

2. मैथिली साहित्यक प्रथम विधातक रचनाकार/अनुवादक/समालोचक परिचय अपेक्षित अधि।

3. भारतीय एवं पश्चिम ताम्रभाषा तथा कला काय्याकळळ:
   काय्यक लक्षां, वमोन, कारण, भेद, शब्दाकळळ, रस, गुण, रीति, आलंकार (अनुप्रास, शेष, यमक, उपभा, रूपक, उदोक्ता, विभावना, विशेषता, अतिशेषता, अपरस्तात प्रशंसा, समालोचना, संदेह, प्राक्तिमान, विभय, बुकशकळळ)

   समालोचना—मैथिली आलोचक एवं आलोचना साहित्य

4. इतिहास—अदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल—कविता, कथा, उपन्यास, निबन्ध, नाटक, समालोचना, लोकसाहित्य, पन्ना-पत्रिका

   भाषाविज्ञान—भाषाक परिभाषा, भाषापति, भाषाक परिवर्तनशीलता, मैथिली उदव ओ विकास, भारतीय भाषापरिचय, भाषा ओ बोली।
प्रश्न-प्रण—III (A)
[ कोर विभाग ]

कऱ्य—I
महाकाव्य—मिठिला भाषामाध्यम संस्कृत मिठिलामाध्यम (लालदास), एकाली-परिषद् (वदीर्माध्यम श्रा), बुद्धशरणा (रङ्गमन्दिर दास), अक्षबोधिति (सीतारम श्रा), चाणक्य (द्रीनानाथ पाठक 'वन्धु'), कृत्याचरित (तत्ततानाथ श्रा)

कऱ्य—II
कबिदकाव्य—काकुला (बालोदराल दास), भारती (केदारनाथ लाम), पतन (उपेन्द्रनाथ श्रा 'व्यास'), उत्तरा (सुरेंद्र श्रा 'सुनन'), उत्सर्ग (लम्बण श्रा), एकलब्य (अमरेन्द्र मिठिला), नरेन (लम्बण श्रा)

कऱ्य—III
मुक्तकाव्य—कविवर सीताराम श्रा, काशीकान्त मिठ 'मधुष', सुरेंद्र श्रा 'सुनन', बैबनाथ मिठ 'पाणी', आरसी प्रसाद सिंह, चन्द्रनाथ मिठ 'अमर', जीवकान्त, भीमनाथ श्रा

कऱ्य—IV
नाटक—नेपाल (मध्यकालीन नाटक), आसाम (मध्यकालीन नाटक), मिठिला (मध्यकालीन नाटक), आयुक्त लेखिकानाथ एवं एकांकी (जन्मोतिर्लल, शंकरेन्द्र, उमापति, सुर्यांशु 'शेखर' चौधरी, समाज श्रा, उदय नारायण सिंह 'नविकेता', महेन्द्र मलिगिया)

कऱ्य—V
उपन्यास—हरिमोहन श्रा, बैबनाथ मिठ 'गाँवी', उपेन्द्रनाथ श्रा 'व्यास', ब्रजकिशोर बर्मा 'मणिपथ', 'राजकमल', लिली रे, प्रभास कुमार चौधरी

कऱ्य—VI
कथा—हरिमोहन श्रा, ब्रजकिशोर बर्मा 'मणिपथ', लिलित, राजकमल चौधरी, मायानाद मिठिला, रमानन्द रेखु, प्रभास कुमार चौधरी, सुभाष चन्द्र यादव

कऱ्य—VII
समालोचना रामानाथ श्रा, दिलेश कुमार श्रा, प्रेमशंकर सिंह, अरवेन्द्र श्रा, राजसोहन श्रा, मोहन भारद्वाज, रमानन्द श्रा 'राणा'

कऱ्य—VIII
गद्य—ज्योतिराव, कांचीनाथ श्रा 'किरण', सुभाष श्रा, जयकाल्या मिठिला, राधाकृष्ण चौधरी, शैलेन्द्र मोहन श्रा, अमरेन्द्र पाठक

18  2
पत्र-पत्निका—मिथिला मोद, मिथिला मिहिर, बैदेही, मिथिला दर्शन, मिथिला भारती, कर्णामूर्ति, भारती-मण्डन

लोकसाहित्य—सोलकोट, लोककथा, लोकपाया, लोककोमिक, लोकनाट्य

प्रश्न-पत्र—III (B)  
[ ऐंडिक, वैकल्पिक ]

ऐंडिक—I
विद्यापति—सांस्कृतिक परिवेश, रचना, प्रतिभा, प्रभाव, धार्मिक चेतना, प्रकृति-प्रेम, विरह, अमितार

ऐंडिक—II
चन्द्र झा—युगप्रवर्तन, रचना, रामकथा, नवाद-महेश्वरी, गद्य-अनुवाद, सामाजिक चेतना, अनुसंधान, भाषा-शैली

ऐंडिक—III
आधुनिक नाटक—आधुनिक नाटक, उद्वर्त, खलंगतापूर्व नाटक, खलंगतापूर्व तारक, एकांकी, एकांकी सूरक, प्रहसन, रंगमंचक विकास

ऐंडिक—IV
आधुनिक कविता—आधुनिक कविता, यूनिवर्सल, परम्परावाद जो आधुनिकता, आधुनिक कविता, प्रवृत्ति, नवकविता, प्रमुखवाद, भावपक्ष-कलापक्ष, प्रमुख कवि एवं कविता

ऐंडिक—V
कथा-उपन्यास—पृथ्वी, प्रवृत्ति, कथ्य एवं शिल्प, लघुकथा, प्रमुख कथाकार, एवं कथासंग्रह। उपन्यासक प्रवृत्ति, उपन्यासक विकास, उपन्यासक प्रकार, प्रमुख उपन्यास ओ उपन्यासकार
नमूनाक प्रश्नक
प्रश्न-पत्र—II

1. ‘कन्याकुण्ड रचिता छथि
(A) उपेन्द्रनाथ शा
(B) कोशलनाथ शा
(C) हरिसोहन शा
(D) यात्री

2. सुंदरशु ‘शेखर’ चौधरीक कृति अछि
(A) संदर्भ
(B) प्रबंध-संग्रह
(C) शैली नव कविता
(D) परिचायिका

3. ‘रीतिरत्ना कब्जस्वक यजीपादक छथि
(A) भारत
(B) जगद्वाद
(C) विश्वनाथ
(D) वामन

प्रश्न-पत्र—III (A)

1. सदेह ओ भ्रानि अलंकारक अन्तर स्पष्ट कर।
Or
सगनी ओ बटागम्यक अन्तर स्पष्ट कर।

प्रश्न-पत्र—III (B)

11. विश्वापतिक राज-सम्पर्कसं परिचय कराउ।
Or
‘विविधता भाषा रामायणक आधार पर हनुमानक लक्षा यात्रा—मृतांतक वर्णन कर।
Or
‘जनबुलि एक कृत्रिम भाषा धिक।’ समीक्षा कर।

***

18—200